भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 22

उत्तर देने की तारीख – 01/12/2025

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना

†22. **श्री प्रदीप कुमार सिंह:**
श्री कैप्टन बृजेश चौटा:
श्री पी. पी. चौधरी:
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:
श्री बसवराज बोम्मई:
श्री राधेश्याम राठिया:
श्री योगेन्द्र चांदोलिया:
डॉ. राजेश मिश्रा:
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्रीमती अनीता शुभदर्शिनी:
श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:
श्री तेजस्वी सूर्या:
श्री सुरेश कुमार कश्यप:
श्री जुगल किशोर:
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:
श्री मनोज तिवारी:
श्री अनिल फिरोजिया:
श्री हँसमुखभाई सोमाभाई पटेल:
श्री खगेन मुर्मू:
श्री मितेश रमेशभाई पटेल:
श्री रवींद्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:
श्री दिनेशभाई मकवाणा:
डॉ. संजय जायसवाल:
श्री प्रवीण पटेल:
श्री बंटी विवेक साहू:
श्री सौमित्र खान:
श्री अमरसिंग टिस्सो:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल, बिहार, राजस्थान के मेवाड़ इलाके और कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले सहित देश भर में राज्य-वार कितने मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) बनाए गए हैं और इस योजना के तहत कौन-कौन से मुख्य कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं;

(ख) क्या इस योजना में देश में सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के लिए भारतीय ज्ञान पद्धति, उद्यमशीलता, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण, तथा समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए खास घटक शामिल हैं;

(ग) यदि हाँ, तो इसकी रूपरेखा, उद्देश्यों और संभावित परिणामों सहित ऐसे घटकों का ब्यौरा क्या हैं;
(घ) प्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या, शिक्षण गुणवत्ता में बढ़ोतरी, उच्च शिक्षा संस्थानों को नवोन्मेष और शैक्षणिक उत्कृष्टता के केंद्र में परिवर्तित करने के संदर्भ में इस योजना से कर्नाटक और राजस्थान सहित राज्य-वार क्या लक्ष्य हासिल हुए हैं;

(ङ) क्या मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के उच्च शिक्षा संस्थानों और अध्यापकों को भी इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण और अन्य लाभ प्राप्त हुए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या यह योजना सीधी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में लागू की गई है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग): मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के दिनांक 05 सितंबर, 2023 को पुनः शुरू होने के पश्चात से पश्चिम बंगाल, बिहार और राजस्थान प्रत्येक में 5 एमएमटीटीसी और कर्नाटक में 7 एमएमटीटीसी सहित देश भर में 151 मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों (एमएमटीटीसी) की पहचान की गई है। इस योजना का उद्देश्य देश भर में उच्चतर शिक्षा के संकाय को प्रशिक्षित करना है, जहां भारत का कोई भी संकाय स्थापित एमएमटीटीसी के माध्यम से योजना के कार्यक्रमों में भाग ले सकता है। मंत्रालय ने समय-समय पर राज्य सरकारों को उनके उच्चतर शिक्षा संस्थानों को इस योजना के तहत क्षमता निर्माण कार्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए निदेशित करने हेतु परामर्श दिए है।

इस योजना के अंतर्गत, उच्चतर शिक्षा के संकाय को एनईपी उन्मुखीकरण और संवेदीकरण; भारतीय ज्ञान परंपरा; पुनश्चर्या पाठ्यक्रम; संकाय प्रवेश कार्यक्रम; भविष्य के नेतृत्व कार्यक्रम को पोषित करना; शैक्षणिक नेतृत्व कार्यक्रम; विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं संबंधी क्षमता निर्माण कार्यक्रम; डिजाइन और उद्यमशीलता संबंधी क्षमता निर्माण कार्यक्रम; उच्चतर शिक्षा संस्थाओं में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहारिकता और कल्याण को प्रोत्साहित करने हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम; विज्ञान संचार संबंधी क्षमता निर्माण कार्यक्रम; प्रशासनिक संकाय प्रशिक्षण; एसटीईएम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी क्षमता निर्माण कार्यक्रम; गुरुसेतु; शिक्षक संबद्ध कार्यक्रम और साइबर सुरक्षा संबंधी क्षमता निर्माण कार्यक्रम

सहित अल्पकालिक कार्यक्रम जैसे विभिन्न घटकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है। इन घटकों का विवरण, जिसमें रूपरेखा, उद्देश्य और अपेक्षित परिणाम शामिल हैं, दिशानिर्देशों में https://mmc.ugc.ac.in/Document/GUIDELINES%20September%202025.pdf पर उपलब्ध है।

(घ) से (छ): योजना के पुनः शुरू होने के पश्चात से, इस योजना के अंतर्गत आने वाले विभिन्न घटकों से उच्चतर शिक्षा संस्थानों के 3.22 लाख से अधिक संकाय लाभान्वित हुए हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित संकाय की संख्या एमएमटीटीपी पोर्टल https://mmc.ugc.ac.in/Document/Notification/Latest_20251118165536.pdf पर उपलब्ध है।

प्रतिभागी संकाय के जिला वार और संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वार आंकड़े नहीं रखे जाते हैं। मध्यप्रदेश राज्य में 7 मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों (एमएमटीटीसी) में 21258 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। तथापि, देश के किसी भी भाग के संकाय किसी भी स्थापित एमएमटीटीसी में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है।

***